भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2095
दिनांक 15 दिसंबर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक क्षयरोग रिपोर्ट

2095. डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्रीमती मंजुलता मंडल:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक क्षयरोग रिपोर्ट, 2022 के अनुसार क्षय रोग से पीड़ित और इस संबंध में उपचाराधीन लोगों की संख्या में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय सुधार हुआ है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
(ग) विगत तीन वर्षो के दौरान देश में वर्ष-वार क्षय रोग के कुल कितने मामलों की सूचना मिली है;
(घ) देश में क्षय रोग के उन्मूलन के लिए कार्यक्रमों को कार्यान्वित करते समय सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है;
(ङ) क्या सरकार वर्ष 2025 तक देश भर से क्षय रोग (टीबी) के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति कर रही है;
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में लक्ष्य के अनुरूप क्षय रोग के मामलों और मृत्यु दर में कमी लाने में क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं; और
(छ) राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और ओडिशा राज्यों में किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री(डॉ भारती प्रविण पवार)

(क) से (छ) विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित ग्लोबल टीबी रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, क्षय रोगियों की अधिसूचना और उपचार शुरू किए गए मामलों में वैश्विक स्तर पर सुधार हुआ है। भारत वर्ष 2022 में ही टीबी के मामले की अधिसूचना में पूर्व-कोविड स्तर तक पहुंचने में सक्षम रहा है। गत 3 वर्षों और चालू वर्ष

में अब तक राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के नि-क्षय पोर्टल में सूचित किए गए क्षय रोगियों की कुल संख्या निम्नानुसार है-

वर्ष	2020	2021	2022	2023*
टीबी अधिसूचना	18.05 लाख	21.35 लाख	24.22 लाख	22.31 लाख
*स्रोत नि-क्षय (30 नवंबर, 2023 तक के आंकड़े)				

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत में टीबी की घटना दर वर्ष 2015 में प्रति 100,000 आबादी पर 237 से 16% घटकर 2022 में प्रति 100,000 आबादी पर 199 हो गई है। इसी अवधि के दौरान, टीबी मृत्यु दर 2015 में प्रति लाख आबादी पर 28 से 18% घटकर 2022 में प्रति लाख आबादी पर 23 हो गई है।

कार्यक्रम के कार्यान्वयन में सरकार के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) समुदाय में अप्रकट टीबी संक्रमण (राष्ट्रीय टीबी विद्यमानता सर्वेक्षण के अनुसार आबादी का 31%)

ख) स्वास्थ्य से परे तपेदिक के सामाजिक निर्धारक

ग) समुदाय में जागरूकता की कमी और प्रचलित मिथकों और गलत धारणाओं के कारण आबादी का स्वास्थ्य-संबंधी व्यवहार

इन चुनौतियों का सामना करने और वर्ष 2025 तक टीबी से संबंधित एसडीजी को प्राप्त करने के लिए, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और ओडिशा राज्यों सहित देश भर में टीबी उन्मूलन (2017-25) के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीतिक योजना कार्यान्वित करता है। एनटीईपी द्वारा किए गए प्रमुख कार्यकलाप निम्नानुसार हैं

क. उच्च बोझ वाले क्षेत्रों में लक्षित अंतक्षेपों के लिए राज्य और जिला विशिष्ट कार्यनीतिक योजना।
ख. औषध प्रतिरोधी क्षयरोग सहित क्षय रोगियों के लिए निशुल्क औषधियों और निदानों का प्रावधान।
ग. प्रमुख कमजोर और सह-रुग्ण आबादी में सक्रिय टीबी मामला-खोज अभियान।
घ. समुदाय के निकट स्क्रीनिंग और उपचार सेवाओं को विकेंद्रीकृत करने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर के साथ एकीकरण।
ङ. आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से आयुष्मान भव स्वास्थ्य शिविरों के दौरान कमजोर आबादी की स्क्रीनिंग।

च. क्षय रोग के मामलों की अधिसूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन सहित निजी क्षेत्र की सहभागिता।

छ. आणविक नैदानिक प्रयोगशालाओं का उप-जिला स्तरों तक विस्तार करना ।

ज. टीबी रोगियों को पोषण सहायता के लिए नि-क्षय पोषण योजना।

झ. कलंक को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य की मांग करने वाले व्यवहार में सुधार करने के लिए सघन आईईसी अभियान।

ञ. संबंधित मंत्रालयों की भागीदारी के साथ बहु-क्षेत्रीय प्रतिक्रिया।

ट. फुफ्फुसीय टीबी के संपर्कों के लिए टीबी निवारक चिकित्सा को बढ़ाना ।

ठ. नि-क्षय नामक एक मामला-आधारित वेब-आधारित पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित टीबी मामलों को ट्रैक करना

i. प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए):

- यह टीबी से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता के लिए मंत्रालय द्वारा 9 सितंबर 2022 को शुरू किया गया
- नि-क्षय 2.0 पोर्टल विकसित किया गया है और समुदाय को नि-क्षय मित्र के रूप में पंजीकृत करने की सुविधा के लिए सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है
- इस पहल को लागू करने के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज विकसित किए गए हैं और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए गए हैं।
- राष्ट्रीय और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तरों पर पहल की प्रगति की निगरानी करने के लिए आवधिक समीक्षा की जाती है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और ओडिशा राज्यों में किए गए कार्यों का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में है।

****

अनुलग्नक -1

राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और ओडिशा राज्यों सहित देश भर में सभी जन स्वास्थ्य केंद्रों में निशुल्क स्क्रीनिंग, निशुल्क निदान और निशुल्क औषधियां/उपचार प्रदान किए जाते हैं। समुदाय के करीब सेवाएं प्रदान करने के लिए, टीबी स्क्रीनिंग सेवाओं को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के स्तर तक विकेंद्रीकृत किया गया है। निजी क्षेत्र की गहन भागीदारी कार्यकलापों को कार्यान्वित किया गया है जिसके परिणामस्वरूप टीबी के मामलों की अधिसूचना में 7 गुना वृद्धि हुई है। सभी जिलों में दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए उपचार सेवाओं के साथ-साथ देश के सभी जिलों को कवर करने के लिए आणविक प्रयोगशालाओं को बढ़ाया गया है।

महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और ओडिशा राज्यों में किए गए कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार है

क) टीबी सूचनाएं

राज्य		**महाराष्ट्र**	**ओडिशा**	**राजस्थान**	**तमिलनाडु**
2020	निजी	61022	5073	39528	16127
	सार्वजनिक	99413	40620	97701	54410
	कुल	160435	45693	137229	70537
2021	निजी	86762	7119	45358	18068
	सार्वजनिक	111856	45378	104015	65079
	कुल	198618	52497	149373	83147
2022	निजी	101355	9909	42648	22140
	सार्वजनिक	133548	50617	126898	72021
	कुल	234903	60526	169546	94161
2023 (नवंबर तक)	निजी	87907	8628	35807	20756
	सार्वजनिक	103495	46001	107589	66340
	कुल	191402	54629	143396	87096

डेटा स्रोत – नि-क्षय

ख) उपचार की सफलता दर (%)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**2020**	**2021**	**2022**	**2023 (अक्टूबर तक)**
महाराष्ट्र	85%	86%	88%	86.30%
ओडिशा	89%	89%	90%	90.80%
राजस्थान	81%	83%	85%	86.60%
तमिलनाडु	84%	83%	83%	85.20%

डेटा स्रोत – नि-क्षय

*****